भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. 3906
सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों का विकास

3906. श्री अजय भट्टः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने प्राकृतिक रूप से सुन्दर उत्तराखंड क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उत्तराखंड में पर्यटन स्थलों के विकास और संरक्षण के लिए कोई वित्तीय सहायता प्रदान की गई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त क्षेत्र में पर्यटन स्थलों पर सुविधाएं बढ़ाने के लिए बनाई गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन कर उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के माध्यम से उत्तराखंड राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है।

योजना के दिशा-निर्देशों में अन्य बातों के साथ-साथ पर्यटक सुविधा केंद्र, पर्यटक सूचना केंद्र, लॉग हट्स, एम्फीथिएटर, फुट-ओवर ब्रिज, साइनेज, सीसीटीवी, अंतिम मील तक सड़क संपर्क, अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था, मूलभूत सुविधाएं जैसे शौचालय, कूड़ेदान, पेयजल सुविधाएं, जल निकासी और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाएं और पर्यटन स्थलों पर साइट संबंधी अन्य आवश्यकताएं जैसे बेंच, भूदृश्यांकन, फ्लोरिंग, रेलिंग आदि की व्यवस्था का प्रावधान है।

भारत सरकार ने प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) के दिशानिर्देशों के अंतर्गत उत्तराखंड में एक परियोजना को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय अपने घरेलू संवर्धन एवं प्रचार सहित आतिथ्य (डीपीपीएच) योजना के अंतर्गत मेलों/महोत्सवों और पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करता रहा है।

पर्यटन मंत्रालय की उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य के लिए स्वीकृत धनराशि का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए समय-समय पर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। इन प्रस्तावों को निर्धारित प्रावधानों की पूर्ति और धनराशि की उपलब्धता की शर्त पर परियोजनाओं का रूप दिया जाता जाता है।

इसके अलावा, जैसा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा बताया गया है, एएसआई के अधिकार क्षेत्र में 44 संरक्षित स्मारक/स्थल हैं और उनका संरक्षण आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान संरक्षित स्मारकों/स्थलों के संरक्षण, रखरखाव और विकास के लिए आवंटित धनराशि और किए गए व्यय का विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

****

अनुबंध-I

श्री अजय भट्ट द्वारा उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों के विकास के संबंध में दिनांक 24.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3906 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में

विवरण

उत्तराखंड राज्य के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि करोड़ रु. में	जारी /अधिकृत* की गई राशि करोड़ रु. में
1.	इको परिपथ 2015-16	नए गंतव्य-जिला टिहरी के रूप में टिहरी झील और आसपास के विकास के लिए इको-पर्यटन, साहसिक खेल और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास-जिला टिहरी	69.17	69.17
2.	विरासत परिपथ 2016-17	कुमाऊं क्षेत्र -कटारमल -जोगेश्वर- बैजनाथ-देवीधुरा में विरासत परिपथ का एकीकृत विकास	76.32	68.91

* केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के लिए टीएसए मॉडल I के माध्यम से सीएनए को प्राधिकृत की गई राशि शामिल है।

उत्तराखंड राज्य के लिए स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	गंतव्य	एक्स्पीरियंस का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृति की तिथि
1	पिथौरागढ़	गुंजी में ग्रामीण पर्यटन क्लस्टर एक्स्पीरियंस	32.20	05-03-2024
2	चंपावत	चाय बागान का अनुभव	11.21	05-03-2024

उत्तराखंड राज्य के लिए प्रशाद के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत (करोड़ रु. में)	जारी राशि (करोड़ रु. में)
1	केदारनाथ का एकीकृत विकास	2015-16	34.77	34.77
2	बद्रीनाथ जी धाम में तीर्थ सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.15	38.38
3	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थ मूलभूत सुविधाओं का विस्तार	2021-22	54.36	10.22

उत्तराखंड राज्य के लिए पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**	**जारी राशि (करोड़ रु. में)**
1	आइकॉनिक सिटी ऋषिकेश: ऋषिकेश में राफ्टिंग बेस स्टेशन	100.00	66.00

उत्तराखंड राज्य में घरेलू संवर्धन एवं प्रचार योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त मेलों, महोत्सवों एवं आयोजनों का विवरण

राज्य का नाम	**वर्ष**	**मेलों और महोत्सवों के नाम**	**स्वीकृत राशि (लाख रु. में)**	**जारी की गई राशि (लाख रु. में)**
उत्तराखंड	2022-23	अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव	25.00	25.00
	2023-24	अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव	25.00	25.00

****

अनुबंध-II

श्री अजय भट्ट द्वारा उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों के विकास के संबंध में दिनांक 24.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3906 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2023-24 में उत्तराखंड में संरक्षित स्मारकों/स्थलों के संरक्षण, रखरखाव और विकास के लिए आवंटित धनराशि और किए गए व्यय का विवरण

<table>
<tr><th rowspan="2">क्र. सं.</th><th rowspan="2" colspan="2">स्मारकों के नाम</th><th colspan="2">2023-2024</th><th rowspan="2">किए गए कार्यों के मद</th></tr>
<tr><th>बजट आवंटन (रु. में)</th><th>व्यय (रु. में)</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>जागेश्वर मंदिर</td><td rowspan="6">जागेश्वर, अल्मोड़ा में मंदिरों के समूह के रूप में जाना जाता है (इस समूह में अन्य लघु मंदिरों के साथ छह संरक्षित मंदिर शामिल हैं।)</td><td rowspan="6">3028105</td><td rowspan="6">3028105</td><td rowspan="6">1. स्मारकों का नियमित अनुरक्षण और रखरखाव।
2. वित्तीय वर्ष 2022-23 में पूर्ण किए गए कार्य का बकाया भुगतान जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं
3. स्टोन फलोरिंग की मरम्मत और तांबे की शीट के साथ लकड़ी की छत की बहाली।
4. पत्थर की बेंच और कूड़ेदान प्रदान करना।</td></tr>
<tr><td>2</td><td>मृत्युंजय मंदिर</td></tr>
<tr><td>3</td><td>नंदा देवी या नौ-दुर्गा</td></tr>
<tr><td>4</td><td>नव ग्रह तीर्थ</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पिरामिडनुमा तीर्थ</td></tr>
<tr><td>6</td><td>सूर्य को समर्पित तीर्थ</td></tr>
<tr><td>7</td><td colspan="2">देहरादून के लखामंडल में शिव मंदिर</td><td>1118976</td><td>1118976</td><td>1. स्मारकों का नियमित अनुरक्षण और रखरखाव।
2. वित्तीय वर्ष 2022-23 में पूर्ण किए गए कार्य का बकाया भुगतान जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं
3. पहुंच मार्ग और रिटेनिंग वॉल प्रदान करना।</td></tr>
<tr><td>8</td><td colspan="2">मंदिर समूह, आदिबद्री, जिला-चमोली</td><td>9386854</td><td>9386854</td><td>1. नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।</td></tr>
</table>

				2. स्मारक परिसर के चारों ओर पुरानी इमारत और संरचना की मरम्मत।
9	रुद्रनाथ (गोपीनाथ) मंदिर गोपेश्वर, जिला- चमोली।	987694	987694	1. स्मारक का नियमित अनुरक्षण और रखरखाव। 2. वित्त वर्ष 2022-23 में पूर्ण किए गए कार्य का बकाया भुगतान जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं 3. मुख्य मंदिर की तांबे की शीट के साथ लकड़ी की छत का जीर्णोद्धार। 4. सैंड स्टोन फ्लोरिंग प्रदान करना और बिछाना। 5. भोगशाला का जीर्णोद्धार और मरम्मत।
10	त्रिशूल गोपेश्वर, जिला- चमोली			1. नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
11	मंदिर समूह, बैजनाथ, जिला बैजनाथ। - बागेश्वर	7078805	7078805	1. नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा। 2. पाथवे के उन्नयन के लिए सैंड स्टोन उपलब्ध कराना और उसे लगाना। 3. मुख्य मंदिर परिसर में चूना कंक्रीट और सैंड स्टोन फ्लोरिंग प्रदान करना और बिछाना।
12	पडुकेश्वर मंदिर, जिला पाण्डुकेश्वर - चमोली।	409414	409414	1. स्मारक का नियमित अनुरक्षण और रखरखाव। 2. वित्त वर्ष में पूरे किए गए कार्य का बकाया भुगतान। 2022-23.

13	बद्रीनाथ मंदिर समूह	मंदिर का समूह द्वाराहाट, जिला- अल्मोड़ा (7 मंदिर / स्थलों के समूह शामिल)	370412	370412	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
14	बाणदेव मंदिर		208340	208340	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
15	गूजरदेव मंदिर		193430	193430	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
16	मंदिर का कचहरी समूह		371670	371670	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
17	मंदिरों का मनियां समूह		339009	339009	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
18	मृत्युंजय मंदिरों का समूह		361727	361727	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
19	रतनदेव तीर्थ		192824	192824	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
20	महासू मंदिर, हनोल, जिला - देहरादून		1117625	1117625	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
21	उत्खनित स्थल पुरोला, जिला - उत्तरकाशी		802319	802319	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
22	चांदपुर किला, जिला- चमोली		1651607	1651607	1. स्मारक का नियमित अनुरक्षण और रखरखाव। 2. भूमिगत संरचना का वैज्ञानिक तौर पर सफाई कार्य। 3. आरआर चिनाई के साथ चूने मोर्टार के साथ कक्षों और संरचनाओं की मरम्मत।

				4. उचित आधार और सैंड स्टोन फ्लोरिंग के लिए कंक्रीट प्रदान करना और बिछाना।
23	खुदाई स्थल, गोविष्णा टीला, द्रोणसागर, काशीपुर, जिला- यू.एस.	8807336	8807336	1. नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा। **2.** प्राचीन टीले का वैज्ञानिक तौर पर सफाई कार्य। **3.** चूने मोर्टार चिनाई के साथ प्राचीन ईंट वाले खुदाई स्थल पर मरम्मत और संरक्षण कार्य। **4.** मूल मिलान और संस्कृति नोटिस बोर्ड के साथ चूना कंक्रीट प्रदान करना और बिछाना
24	सूर्य मंदिर, कटारमल, जिला- अल्मोड़ा	562450	562450	1. नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
25	पुराना कब्रिस्तान, रुड़की, हरिद्वार	4483550	4483550	1. स्मारक का नियमित अनुरक्षण और रखरखाव। 2 जंगल का समाशोधन और चूने कंक्रीट के आधार और ईंट से चिनाई तथा रीसेस पॉइंटिंग आदि के साथ मिट्टी का कार्य । 3. उद्यान का नियमित रखरखाव।
26	अशोक रॉक एडिक्ट, कलसी, देहरादून	1227185	1227185	1. नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा। 2. लाइम कंक्रीट बेस और स्टोन फलोरिंग आदि

				प्रदान करना और बिछाना। 3. सैंड स्टोन बेंच और कूड़ेदान प्रदान करना और ठीक करना। 4. मुख्य स्मारक की दीवार और गुंबदों के चारों ओर चूने का प्लास्टर। 5. मूल मिलान के अनुसार सैंड स्टोन छज्जा स्टोन की मरम्मत। 6. उद्यान का नियमित रखरखाव।
27	मंदिरों का समूह, तल्लीहाट, बागेश्वर	595253	595253	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
28	दंडेश्वर मंदिर, जागेश्वर- जिला- अल्मोड़ा	551583	551583	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरी और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
29	कलिंग स्मारक, जिला- देहरादून	2777704	2777704	1. नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा। 2. युद्ध स्मारक के इतिहास आदि कार्यों के प्रदर्शन के लिए डिस्प्ले हॉल का निर्माण। 3. उद्यान का नियमित रखरखाव।
30	खुदाई स्थल, ऋषिकेश, जिला- देहरादून	562584	562584	स्मारक का नियमित अनुरक्षण और रखरखाव।
31	खुदाई स्थल, जगतग्राम, जिला- देहरादून	1126123	1126123	1. नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा। 2. उद्यान का नियमित रखरखाव।

32	कुबेर मंदिर, जागेश्वर, जिला- अल्मोड़ा	2 संरक्षित मंदिर शामिल	722534	722534	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरीऔर नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
33	चंडिका, मंदिर, जागेश्वर जिला- अल्मोड़ा				नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
34	बालेश्वर मंदिर का समूह, जिला- चंपावत	2 संरक्षित स्थल शामिल	485426	485426	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
35	बालेश्वर मंदिर, जिला- चंपावत से जुड़ा हुआ नौला				नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
			231436	231436	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य मंजूरीऔर नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
36	कोतवाली चबूतरा, जिला- चंपावत				
37	प्राचीन इमारतों के अवशेष, ढिकुली, जिला- नैनीताल		2438150	2438150	-
38	सीताबनी मंदिर, रामनगर, जिला- नैनीताल		2438150	2438150	(ii) नियमित कर्मचारियों के माध्यम से नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा। 1. स्मारक परिसर तक आसानी से पहुंचने के लिए कोबल स्टोन के साथ रैंप का उन्नयन। 2. स्मारक परिसर में कंक्रीट आधार और सेंड स्टोन प्लोरिंग प्रदान करना और बिछाना तथा सौर प्रकाश आदि का उन्नयन।
39	शिलालेख, मंडल, जिला- चमोली		264831	264831	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
40	गुफा मंदिर पाताल भुवनेश्वर,		180236	180236	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव,

	जिला- पिथौरागढ़			सामान्य मंज़ूरीऔर नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
41	गंगोलीहाट, जिला- पिथौरागढ़ में स्थित मंदिर	152318	152318	नियमित अनुरक्षण, रखरखाव, सामान्य सफाई और नियमित निगरानी तथा सुरक्षा।
42	विष्णु मंदिर, कोटली, बनकोट, जिला- पिथौरागढ़	423683	423683	स्मारक का नियमित अनुरक्षण और रखरखाव। 1. स्मारक की सुरक्षा के लिए एमएस ग्रिल के साथ चारदीवारी का निर्माण और सेंड स्टोन फ्लोरिंग की मरम्मत आदि।
43	प्राचीन नौला स्युनराकोट जिला अल्मोड़ा	98707	98707	
	कुल	**54250000**	**54250000**	

****